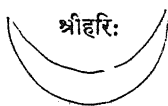


काव्याऽमृतप्रवाह ।



कला

श्रीहरिश्रन्द्रकला ।

अथवा

गोलोकवासी भारतभूषण भारतेन्दु श्रीहरिश्चन्द्र का जीवन-सर्वस्व ।

पञ्चम भाग ।

जिसमें

उक्त महामान्य सुप्रसिद्ध कवि-शिरोमणि रचित अपूर्व कविताओं
का अनमोल खजाना है ।

क्षत्रिय-पत्रिका-सम्पादक स्वर्गीय म० कु० बा० रामदीन
सिंह संकलित और तदात्मज रायबहादुर रामरण-
विजय सिंह द्वारा प्रकाशित ।



पटना—खड्गविलास प्रेस—बांकीपुर ।

रामप्रसाद सिंह द्वारा मुद्रित ।

ह० सं० ४३ }

१९८४ ।

{ सन् १९२७ ईस्वी

नूतन संस्करण